निदेशक का मनोगत

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधिनस्त सांस्कृतिक क्षेत्र में कार्य करनेवाली संस्था है। महाराष्ट्र के साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना एवं कर्नाटक राज्य इस केंद्र के सदस्य राज्य है। केंद्र की ओर से निरंतर विभिन्न लोकप्रिय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सदस्य राज्यों के लोकनृत्य तथा आदिवासी क्षेत्र के कलाकारो को अपने क्षेत्र तथा संपुर्ण भारत वर्ष मे कला प्रस्तुति हेतु बढ़ावा देना, हस्तशिल्प कलाकारो द्वारा निर्मित कलाकृतियों के विक्री हेतु उन्हे संसाधन उपलब्ध कराना इस प्रमुख उद्देश से केंद्र के कार्यक्रमों का नियोजन किया जाता है। हाल ही मे केंद्र द्वारा गणपती पुळे, काकीनाड़ा, बिलासपुर, पामगड, रतनपुर इत्यादि शहरों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया। इन सभी समारोहो में पूरे भारत वर्ष के लोककलाकारों तथा अन्य कलाकारो ने सहभाग लिया। इन कार्यक्रमों की सभी रसिक तथा कलाप्रेमी नागरिकों ने खूब प्रशंसा की। हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे शहर में, अस्तंगत होनेवाले विभिन्न वाद्यों का "दुर्लभ साज महोत्सव" शीर्षकांतर्गत अनोखा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें सुरबहार, मैहर बैंड, सुंद्री, रुद्रवीणा, पखावज इत्यादि वाद्यों पर प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अनोखी प्रस्तुती को रसिक श्रोताओं ने भरसक दाद दी। केंद्र के अधिकारी तथा कर्मचारियों ने इसे सफल बनाने मे अथक प्रयास किए। इससे कलाकारों का हौसला बढ़ गया। केंद्र के विभिन्न कार्यक्रमों को स्थानीय वृत्तपत्र तथा मीडिया में भी काफी प्रशंसा मिली तथा कलाप्रेमियों ने भी इन सभी कार्यक्रमों की काफी प्रशंसा की।

दि. 8 मार्च 2019 को विश्व महिला दिन के उपलक्ष में केंद्र द्वारा आकर्षक नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी गई। महिला दिन उत्साह तथा उमंग के साथ मनाया गया।

छतीसगढ़ के रतनपुर, पामगड के ग्रामीण इलाके में "लोककला दर्शन" शीर्षकांतर्गत छ:राज्यों की विभिन्न लोक कलाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया। नागपुर में 25 मार्च को "विश्व कळसूत्री दिन" के अंतर्गत "पपेट शो" का आयोजन किया गया। जबलपुर (म.प्र.) में आयोजित "रंग नाट्य उत्सव" नामक कार्यक्रम में विभिन्न रंगकर्मियों ने नाटकों की प्रस्तुतियाँ दी।

द.म.क्षे.सा. केंद्र के हर कार्यक्रम की शुरुवात केंद्र के थिम सॉंग से की जा रही है। संस्कृत भाषा में रचित इस गीत में केंद्र के अधिनस्त सभी छ:राज्यों का वर्णन किया गया है। इस गीत से कार्यक्रम के पूर्व में अच्छी वातावरण निर्मिती हो रही है।

संपूर्ण भारत वर्ष मे अच्छा सांस्कृतिक वातावरण बन सके, ग्रामीण तथा आदिवासी कलाकारो की कला प्रस्तुतियों को बढ़ावा दिया जाए, उदयोन्मुख तथा महिला कलाकारों को उनकी कला प्रस्तुति के लिये बढ़ावा मिले ऐसे विभिन्न उद्देश्यों से प्रेरित होकर केंद्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी माध्यम से सांस्कृतिक जागृती का भी प्रयास किया जा रहा है। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से इस प्रयास में सम्मिलित सभी कलाकारों का मै हृदय से अभिनंदन करता हुँ।

डॉ. दीपक खिरवड़कर
निदेशक,
दमक्षेसां. केंद्र, नागपुर

द.म.क्षे.सां. केंद्र द्वारा आयोजित / सहभागिता वाले कार्यक्रम तथा उनकी झलकियाँ

मार्च - 2019

'आनंदम्' - मासिक योग शिविर का आयोजन मार्च माह के दौरान प्रति दिन प्रातः 6:30 से 7:30के बींच दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र मुख्यालय परिसर में किया गया। इस शिविर को नागरिकों द्वारा उत्तम प्रतिसाद मिल रहा है, तथा योगकला का जतन भी हो रहा है।

ऋतुरंग कलादालन महोत्सव

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 1 मार्च से 3 मार्च 2019 को 3 दिवसीय ऋतुरंग कलादालन महोत्सव का आयोजन औरंगाबाद में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन औरंगाबाद के महापौर श्री नंदकुमार घोडोले के करकमलों द्वारा समपन हुआ। इस अवसर पर द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपुर के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर की विशेष उपस्थिती रही।

ऋतुरंग कलादालन महोत्सव में हस्तकला हातमाग प्रदर्शनी व विक्री के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में प्रथम दिन "ताल वाद्य कचेरी" के अंतर्गत तालवाद्यों की एकत्रित प्रस्तुति हुई। साथ ही "अमन-ए-कव्वाली" यह कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में दुसरे दिन सुप्रसिद्ध गायक शशि सारस्वत ने अपनी गायकी से समाबांधा एवं आरती क्रीयेशन्स ग्रुप और प्रसिद्ध कलाकार अतुल परचुरे ने स्व. पु. ल. देशपांडे जी की जन्मशताब्दी के उपलक्ष में आयोजित 'पुलकित' की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के समापन दिन पर वी सौम्यश्री एण्ड ग्रुप के "डांस ड्रामा (विठ्ठल तुकयाचा)" एवं पं. अजित कडकड़े की "भजन संध्या" ने कार्यक्रम में सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय किया।

कार्यक्रम में भारी मात्रा में कलाप्रेमियों की उपस्थिती रही। सभी उपस्थितों ने प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अच्छा प्रतिसाद दिया।

ऋतुरंग कलादालन महोत्सव की कुछ झलकियाँ

◉ 11 वा राष्ट्रीय वसंत नाट्योउत्सव 2019 ◉

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, अकॅडमी ऑफ थिएटर आर्ट्स, मुंबई विद्यापीठ, संगीत नाटक अकॅडमी, नई दिल्ली एवं पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में "11वे राष्ट्रीय वसंत नाट्योत्सव – 2019" का आयोजन 2 मार्च से 10 मार्च 2019 को मुंबई विद्यापीठ के कलिना परिसर में हुआ। इस नाट्योत्सव का उद्घाटन श्री रविंद्र वायकर उच्च व तंत्र शिक्षण एवं गृहनिर्माण राज्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य के शुभ हस्ते हुआ। इस अवसर पर मुंबई विद्यापीठ के कुलगुरु प्रा. सुहास पेडणेकर, वरिष्ठ निर्देशक डॉ. जब्बार पटेल, वरिष्ठ अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी की प्रमुख रूप से उपस्थिती रही। इस नाट्योत्सव में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित श्री वामन केंद्रे को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. मंगेश बनसोड लिखित व निर्देशित एवं अकॅडमी ऑफ थिएटर आर्ट्स प्रस्तुत "निशाणी डावा आंगठा" इस नाटक की प्रस्तुति से हुआ।

कार्यक्रम में विविध राज्यों से आए नाटकों की विविध भाषाओ में प्रस्तुति हुई, जिसमे केंद्र की ओर से दि. 4 मार्च 2019 को हरीष इथापे निर्देशित एवं एग्रो थिएटर वर्धा, महाराष्ट्र प्रस्तुत "तेरवं" नाटक की प्रस्तुति दी गई। दि. 9 मार्च 2019 को शरथ सुनकरी निर्देशित एवं पियरल्स आर्ट क्रिएशन हैदराबाद, तेलंगाना प्रस्तुत "वर्ल्ड वॉर-3" नाटक की प्रस्तुति दी गई।

11वे राष्ट्रीय वसंत नाट्योत्सव – 2019 के माध्यम से सभी नाटककारों, कलाकारो को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का एक सुवर्ण अवसर मिला और नाट्योत्सव में प्रस्तुत हुए सभी नाटकों को भारी प्रोत्साहन एवं अच्छा प्रतिसाद मिला। नाटकों की प्रस्तुतीकरण देखने के लिए भारी संख्या में कलाप्रेमियों की उपस्थिती रही।

◉ नारी जयते ◉

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं प्रतिभा नृत्य मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिन के उपलक्ष में 8 मार्च 2019 को शाम 6:30 बजे दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के मुक्तांगण में "नारी जयते" नृत्य-नाटिका का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती कांचन गडकरी के शुभ हस्ते दीपप्रज्वलन कर हुआ। इस अवसर पर दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर के निदेशक डॉ० दीपक खिरवड़कर, उपनिदेशक श्री मोहन पारखी, प्रतिभा नृत्य मंदिर की नृत्य गुरु श्रीमती रत्नम जनार्दनन, कार्यक्रम अधिकारी श्री दीपक कुलकर्णी, कार्यक्रम समिति सदस्य कुणाल गडेकर की उपस्थिती रही। श्रीमती कांचन गडकरी का स्वागत द.म.क्षे.सा. केन्द्र, नागपुर के निदेशक डॉ० दीपक खिरवड़कर ने किया।

श्रीमती कांचन गडकरी ने 108 वे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिन की सभी उपस्थित महिलाओं को शुभकांनाए देते हुए कहा की नारी हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रमाण दे रही है। ऐसा एक भी क्षेत्र नहीं है जहा महिलाए ना हो, परंतु नारी की माँ की भुमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो हमने बखुबी निभानी चाहिए। साथ ही उन्होने महिलाओ को संकल्प लेकर कार्य करने की बात भी कही और कार्यक्रम के सभी कलाकारों को शुभकांनाए दी।

महिला दिवस के दिन दो सुप्रसिद्ध महिलाओं को केंद्र की ओर से सम्मानित किया गया। सत्कारमूर्ति सुप्रसिद्ध गायिका (कर्नाटक शैली) श्रीमती राजेश्वरी नीलकंठन एवं सुप्रसिद्ध कर्क रोग तज्ञ डॉ. रोहिणी पाटिल तथा प्रतिभा नृत्य मंदिर की नृत्य गुरु श्रीमती रत्नम जनार्दनन का सम्मान श्रीमती कांचन गडकरी ने किया।

नारी जयते कार्यक्रम की शुरुवात गणेश वंदना से हुई। पौराणिक काल से लेकर आधुनिक युग तक सभी सृजन, देवी, शक्ति, त्याग और स्नेह की प्रतीक महिलाओं के स्वरूप को दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में दिव्य शक्तियों से युक्त देवी के रूप का वर्णन हुआ। उसके पश्चात रानी लक्ष्मीबाई, द्रौपदी और जनाबाई का भी वर्णन इस नृत्य नाटिका में किया गया।

नारी शक्ति के संपुर्ण कार्यक्रम का मंचसंचालन श्रीमती रेणुका देशकर ने किया। इस सुंदर कार्यक्रम को गायक विष्णु दास की आवाज ने सजाया, मृदंग पर शक्ति धरन, बासुरी पर कुमार बाबु, वायलिन पर शिरीष भालेराव ने साथसंगत की। इस अवसर पर भारी संख्या में कलाप्रेमियों की उपस्थिती रही।

नारी जयते कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

◉ ब्रह्मनाद –षष्ठ पुष्प ◉

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा दिनांक 10 मार्च 2019 रविवार को प्रातः 6:30 बजे केंद्र परिसर में लोकप्रिय प्रातःकालीन संगीत सभा 'ब्रह्मनाद' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में "उस्ताद इरशाद खान" ने सितार वादन की प्रस्तुति दी और डॉ. रेणुका इंदुरकर ने शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन द.म.क्षे.सां. केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, मनपा उप आयुक्त राजेश मोहिते, आचार्य विवेक गोखले, डॉ. साधना शिलेदार ने दीपप्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर अतिरिक्त महानिदेशक एनएडीटी श्री राजीव रानडे, द.म.क्षे.सां. केंद्र के उपनिदेशक श्री मोहन पारखी, कार्यक्रम अधिकारी श्री दीपक कुलकर्णी , शशांक दंडे तथा श्रीकांत देसाई इनकी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन श्वेता शेलगावकर ने किया।

डॉ. रेणुका इंदुरकर ने राग ललित में "सजना मै कासे कहुँ री", "नैना भर आयो री", "छुम छनन बिछुवा बाजे", "भनक सुनी आवन की" एवं अभंग "अबीर गुलाल उधळीत रंग" की प्रस्तुति देकर सभी श्रोताओ को मंत्रमुग्ध किया। उन्हें साथसंगत करनेवाले सभी कलाकार नागपुर के थे, इनमे राम राजेश खड्से (तबला), श्रीकांत पिसे (हारमोनियम) और प्राची नक्षे (तानपुरा) का समावेश था।

डॉ. रेणुका इंदुरकर भारतीय शास्त्रीय संगीत की उत्कृष्ट गायिका है। डॉ. रेणुका इंदुरकर ने अपने पिता संजय इंदुरकर, डॉ. साधना शिलेदार और श्रीमती आरती अंकलीकर- टिकेकर से शास्त्रीय गायन की शिक्षा प्राप्त की है। नागपुर एवं देश के विविध शहरों में कई संगीत समारोहों में डॉ. रेणुका इंदुरकर ने अपने गायन की प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया है।

उस्ताद इरशाद खान ने अपने सितार वादन की शुरुवात राग "बिलासखानी तोड़ी (आलाप, जोड, झाला, एक ताल विलंबित)" से की एवं "स्वरचित बंदिश", "अल्हैया विलावल", भैरवी (गायन – वादन) "सावरिया रे! कैसा जादू", "आओ आओ नगरिया हमार सुनी पड़ी डगरिया हमार", और "छाप तिलक सब छिनी" से अपने वादन का समापन किया। उन्हे तबले पर साथसंगत नागपुर के जानेमाने तबला वादक संदेश पोपटकर ने की। उस्ताद इरशाद खान के वादन से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

उस्ताद इरशाद खान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर असाधारण सितार वादकों में से एक माना जाता है। उस्ताद इरशाद खान, उस्ताद इमरत खान के बेटे और शिष्य हैं। उनका परिवार दुनिया में सितार और सुरबहार कलाकारों में से एक सबसे सम्मानित घराना है। उनकी वाद्य तकनीक और रचनाएं प्रतिष्ठित मानी जाती हैं और दुनिया भर में भारतीय शास्त्रीय संगीतकारों द्वारा उनका अभ्यास किया जाता है। उस्ताद इरशाद खान ने सितार और सुरबहार की कठिन और जटिल तकनीकों को विकसित किया है और अपने पूर्वजों से प्राप्त विरासत को संजोते हुए आगे बढ़ा रहे है।

इस कार्यक्रम मे भारी मात्रा मे दर्शको की उपस्थिती रही, जिन्होने सभी कलाकारो की प्रस्तुतियों को काफी सराहा।

भक्ति संगीत

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा श्री जनार्दनस्वामी योगाभ्यासी मंडल पादुका भवन लोकार्पण समारोह के अवसर पर "भक्ति संगीत" के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें "स्वरवेध" संस्था के कलाकारों द्वारा भक्ति गीत की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर जनार्दनस्वामी योगाभ्यासी मंडल के मुख्य कार्यवाहक श्री राम खांडवे, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, कार्यक्रम प्रभारी श्री दीपक पाटिल की प्रमुख रूप से उपस्थिती रही।

भक्ति संगीत के इस कार्यक्रम से स्वरवेध के कलाकारों ने भक्ति गीतों से संपूर्ण वातावरण को भक्तीमय कर दिया एवं यहा उपस्थित सभी मान्यवरों को मंत्रमुग्ध किया।

◉ अनुभूति दुर्लभ साज महोत्सव-2019 ◉

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं धृपदगंगा फ़ाउंडेशन, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में "अनुभूती दुर्लभ साज संगीत महोत्सव" का आयोजन 15 से 17 मार्च 2019 को मुक्तांगण बालरंजन केंद्र, सहकारनगर, पुणे में हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, सुप्रसिद्ध सितार वादक उस्ताद उस्मान खान, सुप्रसिद्ध वाइलीन वादक पंडित अतुल उपाध्ये के शुभ हस्ते दीपप्रज्वलन कर हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुलकर्णी, धृपदगंगा फ़ाउंडेशन, पुणे के निदेशक गंगाधर शिंदे की विशेष उपस्थिती रही।

15 मार्च 2019 को कार्यक्रम में विश्व के प्रथम शास्त्रीय संगीत बैंड "मैहर बैंड" ने प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। उस्ताद अफझल हुसैन ने धृपद गायन एवं सानिया पाटणकर ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी।

16 मार्च 2019 को कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याती प्राप्त श्री भीमण्णा जाधव इनके सुंद्री वादन की प्रस्तुति ने सभी उपस्थितों को मंत्रमुग्ध किया। साथ ही कार्यक्रम में पंडित सुधाकर चव्हाण इन्होने शास्त्रीय गायन का सादरीकरण किया। पंडित पुष्पराज कोष्टी के सुरबहार वादन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

17 मार्च 2019 को धारवाड़ की ज्योती हेगड़े ने रुद्रवीणा की प्रस्तुति दी और उस्ताद रईस बाले खान ने सतारवादन प्रस्तुत किया, तो वही दिल्ली के उस्ताद कमाल साबरी के सारंगी वादन से महोत्सव का समापन हुआ। इन्हे तबले पर सुप्रसिद्ध तबला वादक फजल कुरैशी ने साथसंगत की। समापन दिवस कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध बासुरी वादक पंडित केशव गिंडे की उपस्थिती रही।

अनुभूती दुर्लभ साज संगीत महोत्सव में कलाप्रेमियों को वादन, संगीत एवं कला के विविध सुरों की अनुभूति हुई। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रोताओ की उपस्थिती रही। जिन्होने कलाकारो की कला को अपना प्रेम व सम्मान देकर उनका प्रोत्साहन बढ़ाया। अस्तंगत हो रहे विविध वाद्यों की इस महोत्सव में प्रस्तुति से एक अनोखा कार्यक्रम श्रोताओ ने अनुभव किया।

Anubhuti

Anubhuti

Anubhuti

Anubhuti

Dhrupadganga Foundation Jointly Organized
Anubhuti

Anubhuti

अनुभूति दुर्लभ साज महोत्सव की कुछ झलकियाँ

◉ बीच फेस्टिवल ◉
(महाराष्ट्र)

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की ओर से महाराष्ट्र के कोकण भाग के श्री क्षेत्र गणपती पुळे में "बीच फ़ेस्टिवल" का भव्य आयोजन किया गया। दि. 23 मार्च व 24 मार्च 2019 को शाम 6.00 बजे महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळ के परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, रत्नागिरी के जिल्हाधिकारी मा. सुनील चव्हाण, एम.टी.डी.सी के रिजनल मैनेजर श्री जगदीश चौहान, एम.टी.डी.सी गणपती पुळे के रिसोर्ट मैनेजर किशोर जाधव, प्रवचनकार मा. अप्पासाहेब कुलकर्णी के हस्ते दीपप्रज्वलन कार हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी श्री दीपक कुलकर्णी, श्री गोपाल बेतावार की प्रमुख उपस्थिती रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दि. 23 मार्च 2019 को सुगम संगीत की प्रस्तुति से हुआ। "गाणे मनामनातील" इसमे भावगीत, भक्ति गीत, चित्रपट गीत और लोकगीत गायन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इसमें गायक अभिषेक नलावळे (संगीत सम्राट फेम) तथा गायिका दीपाली देसाई ने गायन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर देश के विविध लोक नृत्य व गायन का भी प्रस्तुतिकरण हुआ। बधाई लोक नृत्य दिलीप संडेला द्वारा प्रस्तुत किया गया। कालबेलिया नृत्य श्री सुरमनाथ, भवई नृत्य उसी तरहा लंगा-मांगनियार (राजस्थान) गायन महबूब खान की आकर्षक गायन एवं नृत्यों का बहारदार सादरीकरण किया गया।

दिनांक 24 मार्च 2019 का कार्यक्रम लंगा-मांगनियार (राजस्थान) गायन से हुआ, जिसकी प्रस्तुति महबूब खान और उनके सहयोगीयो ने दी। भवई नृत्य, कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति श्री सुरमनाथ के नेतृत्व में उनके सहयोगीयो द्वारा दी गई। बधाई नृत्य (मध्य प्रदेश) दिलीप संडेला द्वारा प्रस्तुत किया गया। "महाराष्ट्राचा लोकरंग" इसमें नृत्यांगना प्रज्ञा कोळी- भगत इनका नृत्य एवं गौलन, भारूड, शेतकरी गीत, गोंधळ, जोगवा, पोवाड़ा, लावणी की प्रस्तुतिया हुई। कार्यक्रम का समापन महाराष्ट्र के गीतो की प्रस्तुति से हुआ, जिसमें छत्रपती शिवाजी महाराज की वेषभूषा में आए कलाकारो ने सभी उपस्थितों का ध्यान आकर्षित किया, जिसे लोगो ने काफी सराहा।

कार्यक्रम का रत्नागिरी के नागरिकों, गणपति पुळे स्थानिक कलाप्रेमी एवं पर्यटकों ने भरपूर आनंद लिया। "बीच फ़ेस्टिवल" में भारी संख्या में नागरिकों की उपस्थिती रही।

आयोजित
|| बीच फेस्टिवल ||

◉ विश्व कठपुतली दिवस ◉

कठपुतली कार्यशाला एवं प्रदर्शन

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, सांस्कृतिक कार्य संचालनालय, महाराष्ट्र शासन के संयुक्त तत्वावधान में "विश्व कठपुतली दिवस" के अवसर पर 25 मार्च 2019 को कठपुतली कार्यशाला एवं प्रदर्शन के कार्यक्रम का आयोजन दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के मुक्तांगण में किया गया। कार्यक्रम का उद्‌घाटन दीपप्रज्वलन कर हुआ। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्य संचालनालय, महाराष्ट्र शासन की सहायक निदेशक अल्का तेलंग, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर के कार्यक्रम अधिकारी दीपक पाटिल, शशांक दंडे, श्रीकांत देसाई की उपस्थिती रही।

सुबह कठपुतली कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें कठपुतली निर्माण सिखाया गया। शाम ४ बजे से कठपुतली प्रदर्शन का कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुवात गणेश वंदना से हुई। गणेश वंदना भी कठपुतली के माध्यम से प्रस्तुत की गई। उसके बाद कार्यक्रम में पारंपरिक कठपुतली प्रदर्शन तथा बसंता घोरई द्वारा "बेनी पुतुल" की प्रस्तुति हुई। रिंटी सेनगुप्ता द्वारा कथा कथन कठपुतली के माध्यम से "घोस्ट स्टोरी" की प्रस्तुति दी गई। यह संपूर्ण कार्यक्रम मीना नाईक द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर भारी संख्या में कला प्रेमियों की उपस्थिती रही, जिसमें बच्चो का उत्साह देखते ही बना।

विश्व कठपुतली दिवस, कठपुतली कार्यशाला एवं प्रदर्शन की कुछ झलकियाँ

चित्रकला प्रशिक्षण कार्यशाला

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं कलाश्री आर्ट फ़ाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में वारली एवं मधुबनी पेंटिग की पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन चंद्रपुर (महाराष्ट्र) में किया गया। इसका उद्घाटन 25 मार्च 2019 को जिला सूचना अधिकारी श्री.प्रविण टाके इनकी अध्यक्षता में सुप्रसिध्द चित्रकार श्री चंदु पाठक के हस्ते किया गया। कलाश्री आर्ट फाउंडेशन की सौ नीता केळापुरे ने इस अवसर पर मुंबई से उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थिती दर्ज कराई। वारली इस आदिवासी चित्रकला का प्रशिक्षण देने की लिए डहाणू-पालघर से श्रीमती मिनाक्षी वायडा और मधुबनी पेंटिंग का प्रशिक्षण देने की लिए मिथिला (बिहार) से श्री नवीनकुमार झा आमंत्रित किए गए थे। ईन्होने 29 मार्च तक लगभग 150 कला प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया।

उदघाटन कार्यक्रम की प्रस्तावना और सूत्र संचालन कलाश्री आर्ट फाउंडेशन की सचिव डॉ. भाग्यलक्ष्मी देशकर ने की, एवं अध्यक्ष सौनीता केळापुरे ने इस अवसर पर कलाश्री की भूमिका व्यापक रूप से प्रस्तुत की।

प्रमुख अतिथी श्री.चंदू पाठक ने स्वयं की चित्रकारिता की यात्रा का अनुभव बताते हुए वारली चित्रकरीता के संबंध में मौलिक जानकारी दी। अध्यक्ष श्री.प्रविण टाके ने सहभागी कलाकारो को प्रोत्साहित किया एवं कलाश्री द्वारा चलाए जा रहे विविध कार्यक्रमों की सराहना की। डॉ.प्रेरणा कोलते, कीर्ती चांदे इत्यादि शहर की प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ ही 150 सर्वसामान्य जिज्ञासूओ ने इस प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिती दर्ज कराई। इस उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ.अनिल काटकर, दत्ताजी तन्नीरवार, मदन पुरुषोत्तम पुराणिक, इनकी उपस्थित प्रमुख रही। चित्रकला प्रशिक्षण कार्यशाला की सफलता के लिए सौ.स्नेहा पारवेकर, डॉ.एकता दातारकर, पुनम झा, मयुर बोकडे, जुही बेहार, सौ. तन्वी उत्तरवार, प्राजक्ता उपरकर, सौ. अनुष्का बच्चुवार, कल्याणी मिसार, मिनल उरकुडे, सुरभि कोराम इन्होने भरसक प्रयत्न किए।

चित्रकला प्रशिक्षण कार्यशाला की कुछ झलकियाँ

◉ रंग नाट्य उत्सव ◉

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा "रंग नाट्य उत्सव" 28 मार्च से 30 मार्च 2019 तक मानस भवन, जबलपुर (म.प्र) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एवं मानव अधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री डी एम धर्माधिकारी के शुभ हस्ते दीप प्रज्वलित कर हुआ। इस तीन दिवसीय नाट्य उत्सव में लोक शैली, हास्य शैली एवं नृत्य नाट्य के माध्यम से प्रस्तुतियाँ हुई।

दि. 28 मार्च 2019 को लोककथा "राजा फोकलवा" की प्रस्तुति हुई, जिसका निर्देशन श्री राकेश तिवारी, चित्रोत्पला लोक कला परिषद, रायपुर द्वारा किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ की अदभुत लोकविविधता एवं गम्मत शैली के प्रयोग तथा हास्य व्यंग के जरिये समकालीन पतनोन्मुखी राजतंत्र तथा नौकरशाही पर गहरा कटाक्ष किया गया। गम्मत 'राजा फोकलवा' में नाचा, भरथरी, पंडवानी, चंदैनी, पंथी, कर्मा, ददरिया, बांस, बिरहा जैसे लोकरूपों और तत्वों के साथ बस्तर व सरगुजा की लोकधुनों का इस्तेमाल किया गया। गम्मत (नाटक) में कुसंगति, चाटुकारिता, परिवारवाद, व्यक्तिवाद, राजनैतिक षड़यंत्र, मानव मूल्यों के विघटन को उजागर करने का प्रयास किया गया, जिसमें छत्तीसगढी भाषा में बोले गए संवादो को दर्शकों ने मुक्तकंठा से सराहा।

दि. 29 मार्च 2019 को सुप्रसिद्ध अभिनेता श्री राजीव वर्मा, भोपाल थियेटर्स द्वारा निर्देशित हास्य नाटक "भाग अवंती भाग" की प्रस्तुति की गई। महंगाई के इस दौर में आम आदमी को अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिये बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। ऐसे में किसी गंभीर बीमारी पर जमा पूंजी खर्च हो जाती है। तब कभी-कभी त्रस्त होकर व्यक्ति ऐसे निर्णय ले लेता है कि स्थितियां हास्यास्पद हो जाती है। ऐसी ही स्थितियो की कल्पना का नाम है भाग अवंती भाग, जिसे नाट्य के रूप में बड़ी ही सुंदर तरीके से पिरोया गया, जिसके किरदारों ने दर्शकों को खूब हँसाया और तालियाँ बटोरीं।

दि. 30 मार्च 2019 को इतिश्री आर्टस, नागपुर की सुश्री दीपाली घोंगे के निर्देशन में "कृष्ण बावरी" की प्रस्तुति संपन्न हुई। इस नाटिका में राधा श्रीकृष्ण के संदर्भ मे संवाद कर रही है, जिसमें राधा श्रीकृष्ण की बाललीलाओं से महाभारत तक के सफर को दर्शाया गया। इस में नाट्य, नृत्य, साहित्य विधा सम्मीलित करने का प्रयास किया गया। कृष्ण बावरी की आकर्षक प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध किया।

रंग नाट्य उत्सव में दर्शको को हास्य, व्यंग्य शैली, लोक शैली, नृत्य सभी रंग देखने को मिले, जिसने कभी उन्हे हसाया तो कभी सोचने पर मजबुर किया। तीनों ही दिन रंग नाट्य उत्सव में दर्शको की भारी संख्या में उपस्थिती रही। इसमे कलाकारो को प्रोत्साहित मिला। उनकी कला को काफी सराहा गया एवं समाचार पत्रों में भी भरपूर प्रोत्साहन व प्रसिध्दी मिली।

रंग नाट्य उत्सव की कुछ झलकियाँ

◉ लोक कला दर्शन ◉
(छत्तीसगढ़)

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 29 से 31 मार्च 2019 को प्रतिदिन शाम 6:30 बजे "लोक कला दर्शन" का आयोजन किया गया। दि. 29 मार्च 2019 को चैतन्य कॉलेज, पामगढ़ में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो.मा.श्री. विवेक जोगलेकर एवं मुख्य अतिथि श्रीमती शुभदा जोगलेकर के शुभ हस्ते दीप प्रज्वलन कर संपन्न हुआ। इस अवसर पर चैतन्य कॉलेज के डायरेक्टर श्री.विजेंद्र तिवारी, श्रीमती तिवारी जी, कार्यक्रम अधिकारी श्री.शशांक दंडे एवं डॉ. सचिन काले की उपस्थिती रही। अतिथियों का स्वागत श्री शशांक दंडे के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। लोकनृत्य दल प्रमुख का स्वागत मुख्य अतिथि महोदय के शुभहस्ते पुष्पगुच्छ देकर किया गया।

दि. 29 मार्च 2019 को चैतन्य कॉलेज, पामगढ़, दि. 30 मार्च 2019 को बिलासपुर एवं दि. 31 मार्च 2019 को भागवत मंच, महामाया परिषद, मंदिर ट्रस्ट, रतनपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान, ओड़ीसा, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के लोक नृत्य कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियाँ हुई। कलाप्रेमियों को बधाई, नोरता, बरेदी (मध्य प्रदेश), पंथी नृत्य, राउत नाचा (छत्तीसगढ़), कालबेलिया, चकरी नृत्य, घुमर, भवई नृत्य (राजस्थान), टायगर नृत्य, घंटा नृत्य (ओड़ीसा) की प्रस्तुतियाँ देखने को मिली। लोक कला दर्शन में छः राज्यो के 60 से अधिक कलाकारों ने पारंपरिक लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी, जिसे देख कलाप्रेमी मंत्रमुग्ध हुए, और प्रत्येक प्रस्तुति के बाद दर्शक तालियो से कलाकारों का उत्साहवर्धन करते नजर आए।

केंद्र की ओर से आयोजित लोक कला दर्शन कार्यक्रम में स्थानीय कलाप्रेमियों की भारी संख्या में उपस्थित रही, और उपस्थितों नें सभी कलाकारो की प्रतिभा को सराहा एवं उनकी प्रशंसा की।

लोक कला दर्शन की कुछ झलकियाँ

◉ बीच फेस्टिवल ◉
(आंध्र प्रदेश)

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, संस्कृति मंत्रालय, सरकार भारत एवं शिल्परामम, काकीनाडा के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 मार्च, 2019 को शाम 6:30 बजे से शिल्परामम, एनटीआर बीच, काकीनाडा में "बीच फेस्टिवल" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिलपरामम, विजयवाड़ा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री बी जया राज (आईआरटीएस) (आर), शिलपरामम, काकीनाडा के एडीएम अधिकारी श्री कृष्ण प्रसाद, काकीनाडा के कुचिपुड़ी गुरुजी श्री वरा प्रसाद एवं केंद्र के अधिकारी श्री दीपक पाटिल के शुभहस्ते दिपप्रज्वलित कर हुआ।

इस तीन दिवसीय उत्सव में आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और असम के लगभग 100 लोक कलाकारों ने हिस्सा लिया, जिसमे मथुरी नृत्य (तेलंगाना), शंख और रणप्पा नृत्य (ओडिशा), थपेटगुलु नृत्य (आंध्र प्रदेश), पंथी नृत्य (छत्तीसगढ़), बधाई और नोरता नृत्य (मध्य प्रदेश), बिहू नृत्य (असम) और नृथ्यांजलि कला निलम और नटराज कला मंदिर, काकीनाडा के कलाकारो ने कुचिपुड़ी नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी। इन प्रस्तुतियों ने कलाप्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम का समापन 31 मार्च 2019 को आंध्र प्रदेश सरकार के राजनीतिक अधिकारी श्री एन श्रीकांत, आईएएस एवं केंद्र के अधिकारी श्री दीपक पाटिल की उपस्थिती में हुआ। केंद्र की ओर से आयोजित रंगारंग बीच फेस्टिवल में दर्शकों की भारी मात्र में उपस्थिती रही, जिन्होने बीच फेस्टिवल का भरपूर आनंद उठाया, एवं कला प्रस्तुतियों की खुले दिल से सराहना की।

बीच फेस्टिवल (आंध्र प्रदेश) की कुछ झलकियाँ

◈ संकल्पना एवं मार्गदर्शन ◈

डॉ. दीपक खिरवडकर

(निदेशक, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपूर)

◈ लेखन एवं संरचना ◈

श्रीमती. श्वेता रोहित तिवारी

(शारदा कंसल्टंसी सर्विसेस प्रा. लिमिटेड)

◈ फोटोग्राफी ◈

श्री. गजानन शेळके

(माध्यम व प्रसारण विभाग, द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपूर)

◈ मुखपृष्ठ एवं ग्राफ़िक्स डिजाईन ◈

श्री. मुकेश गणोरकर

(शारदा कंसल्टंसी सर्विसेस प्रा. लिमिटेड)